

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई में टिप्पणी तारीख के साथ
27/1/2015	<p style="text-align: center;"><b>सारण समाहरणालय, छपरा।</b></p> <p style="text-align: center;"><b>न्यायालय जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा</b>  <b>जिला विधि प्रशाखा</b>  <b>आपूर्ति अपील संख्या 24/13</b>  <b>छट्टुलाल सिंह बनाम बिहार सरकार (अनुमंडल पदाधिकारी, मद्रौर) एवं अन्य</b>  <b>आदेश</b></p> <hr/> <p>संदर्भित अपील आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी, मद्रौर के आदेश ज्ञापांक 522 दिनांक 27.2.13 के विरुद्ध दायर किया गया है। दायर अपील वाद की सुनवाई की गयी।</p> <p>वाद का संक्षिप्त इतिहास यह है कि दिनांक 18.2.13 को अमनौर प्रखंड के कोरेयां पंचायत के कोरेयां बाजार पर अनुमंडल पदाधिकारी, मद्रौर की अध्यक्षता में आयोजित जन अदालत में छट्टु लाल सिंह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, अनुज्ञप्ति सं० 140/07, प्रचायत-कोरेयां प्रखंड-अमनौर की दुकान से सम्यक् कई उपभोक्ताओं के द्वारा विक्रेता के विरुद्ध लिखित बयान दिया गया, जो निम्न प्रकार से है:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. आपके द्वारा किरासन तेल 2.75 लीटर के बदले 2.50 लीटर देकर 50 रुपये की वसूली की जाती है।</li> <li>2. बी.पी.एल. योजना में 25 किलो के बदले 20 किलो ग्राम खाद्यान्न की आपूर्ति कर 150 रुपये एवं 160 रुपये की वसूली की जाती है।</li> <li>3. अन्त्योदय योजना में 35 किलो के बदले 30 किलो देकर 110 रुपये की वसूली की जाती है।</li> <li>4. आपके द्वारा कूपन रख लिया जाता है और राशन-किरासन की आपूर्ति नहीं की जाती है।</li> <li>5. माह दिसम्बर 2012 में सिर्फ चावल का ही वितरण किया गया है और गेहूँ और चावल का दोनों कूपन रख लिया गया है।</li> </ol>	



उक्त अनियमितता के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के ज्ञापांक 430 दिनांक 19.2.13 के द्वारा विक्रेता से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। जिसके प्रसंग में विक्रेता के द्वारा अपना जवाब प्रस्तुत किया गया, जिसे असंतोषजनक पाते हुए विक्रेता की अनुज्ञप्ति को रद्द कर दिया गया।

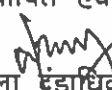
अनुज्ञप्ति रद्द करने संबंधी प्रश्नगत आदेश को चुनौती देते हुए उपस्थित अपीलकर्ता के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा बतलाया गया कि अपीलकर्ता के विरुद्ध स्थानीय मुखिया के द्वारा पूर्व से चली आ रही कुछ पुरानी दुश्मनी की वजह से एक सुनियोजित साजिश के तहत कुछ लोगों को इकट्ठा करके उनसे झूठा लिखित बयान दिलवाकर शिकायत की गयी है। अपीलकर्ता के द्वारा विभाग से प्राप्त दिशा-निर्देश के आलोक में निर्धारित मात्रा एवं निर्धारित दर पर सामानों की आपूर्ति की जाती है। इनके द्वारा प्राप्त किए जाने वाले कूपन के विरुद्ध सामानों की आपूर्ति की जाती है। किसी सी भी जबरन कूपन नहीं लिया जाता है। अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा अनुज्ञप्ति रद्द को पुनर्जीवित करने का अनुरोध किया गया।

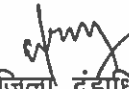
सरकार का पक्ष रखते हुए विज्ञ विशेष लोक अभियोजक के द्वारा बतलाया गया कि विक्रेता पर जो आरोप लगाया गया है, वह अनुज्ञप्ति की शर्तों, विभागीय दिशा-निर्देशों के उल्लंघन का परिचायक है।

उभय पक्षों को सुना। अभिलेख में रक्षित कागजातों का परिसीलन किया गया। परिसीलनोपरान्त मैं यह पाता हूँ कि अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा पारित आदेश अपने आप में मुखर आदेश नहीं है। अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा अपने कारणपृच्छा में या पारित आदेश में कहीं भी शिकायत करने वाले उपभोक्ताओं के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, जिससे लगाया जाने वाला आरोप स्पष्ट नहीं हो पाता है। यह उचित था कि अनुज्ञापन पदाधिकारी अपीलकर्ता की दूकान से संबंधित कागजात मँगवाकर उसकी जाँच करते एवं यदि उसमें कोई अनियमितता पायी जाती, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाती, लेकिन अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा ऐसा नहीं किया गया है। ऐसे में इस मामले को पुनः जाँचोपरान्त वाद की सुनवाई कर मुखर आदेश पारित करने हेतु रिमांड किया जाता है।

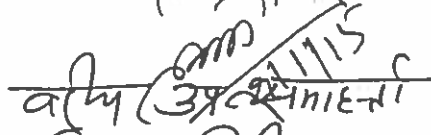
वाद निष्पादित।

लेखापित एवं संशोधित

  
जिला दंडाधिकारी,  
सारण, छपरा

  
जिला दंडाधिकारी,  
सारण, छपरा

उपरोक्त - 500 मढ़ौरा / 1090, N9C, साप की सूचना  
(ए आर 243 कर्मचारी के विरुद्ध)

  
जिला विधि शाखा  
सारण, छपरा